विज्ञान पहेलियाँ

✻ घमण्डीलाल अग्रवाल

(१)
ब्लीचिंग पाउडर जल में डाल
पीने योग्य बनाना,
क्या कहलाती है यह विधि
जल्दी से बतलाना।

(२)
जल के हैं दो रूप बताओ
दुनिया में मशहूर,
एक घोल लेता साबुन को
एक झाग से दूर।

(३)
निश्चित तापमान पर जिसमें
घुले न और पदार्थ,
उस विलयन का नाम तुम्हें अब
करना है चरितार्थ।

(४)
जितनी डालो घुलती जाए
है पदार्थ की मात्रा,
कहो कौन वह विलयन जिसकी
जारी रहे यात्रा।

(५)
सबकी करे जरूरतें पूरी
यह प्रकृति में व्याप्त,
वह पदार्थ दो रूपों में हैं
मिले हमें पर्याप्त।

(६)
ऐसी कौन क्रिया जो तन से
बाहर लाती पानी,
ठंडक इससे होती पैदा
काया को आसानी।

(७)
एक प्रक्रिया जिससे पानी
दो भागों में बंटता,
पानी यही हाइड्रोजन व
ऑक्सीजन से बनता।

(८)
खारापन होता समुद्र में
यह तो तुम सब जानो,
सबसे अधिक किन्तु खारापन
किसमें यह पहचानो?

(९)
करे ताप का यह निर्धारण
यह ही वर्षा लाता,
इस दुनिया में काम बखूबी
अपना नित निपटाता।

(१०)
पानी बनकर भाप उड़े जब
तब-तब ये बन जाते,
इस धरती पर खूब जोर की
ये ही वर्षा लाते।

(११)
पानी का दूषित हो जाना
बोलो क्या कहलाता,
ऐसा पानी कई तरह के
रोगों को फैलाता।

– गुड़गांव (हरियाणा)

उत्तर : जल शुद्धिकरण,
मृदु एवं कठोर जल,
संतृप्त विलयन,
असंतृप्त विलयन,
संसाधन, स्वेदन,
विद्युत अपघटन, मृत
समुद्र, जलचक्र, बादल,
जलप्रदूषण।

विज्ञान पहेलियाँ

नाम कहो उस परिवर्तन का, हौले-हौले डोल,
जंग लगे लोहे पर इससे,
चतुर नाम जो बोल।

✻ घमण्डीलाल अग्रवाल

शीशा टूटे, तीली जलती, यह ऐसा परिवर्तन,
इस पूरे परिर्वतन में तो, लगते केवल कुछ क्षण।

जिसकी हमें जरूरत पड़ती, लाभ खूब पहुंचाता,
बोलो तो ऐसा परिवर्तन, जग में क्या कहलाता?

अनचाहे ही होता रहता, पहुंचाता नुकसान,
ऐसे परिवर्तन की बच्चो, करना तो पहचान।

दिल की धड़कन संभव होती, किस परिवर्तन से यह बोलो,
राज नहीं जब राज रह गया, मुखड़ा अपना जल्दी खोलो।

भोजन का खराब होना भी, परिवर्तन है एक,
बोलो लगा दिमाग को अपने, तुममें से प्रत्येक।

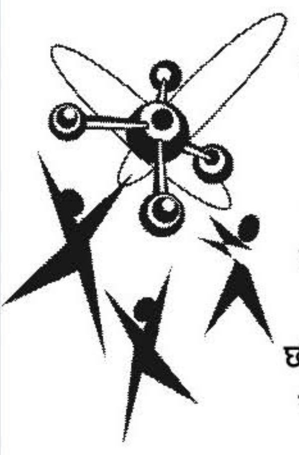

भौतिक गुण चीजों के बदलें, वह परिवर्तन कौन,
थोड़ी बुद्धि लगा कर सोचो, रहो न ऐसे मौन।

जिसके कारण नहीं वस्तुएं, पूर्व अवस्था पाती,
बूझो वह परिवर्तन क्या है, उत्सुकता बलखाती।

छोटे-छोटे कण जब मिलकर, बन जाते कण भारी,
उस क्रिया का नाम बताओ, हम उसके आभारी।

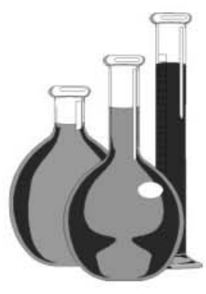

एक चीज में रहे न दूजी, क्या कहलाती चीज,
बूझो डाल होशियारी के, तुम दिमाग में बीज।

– गुड़गांव (हरियाणा)

उत्तर – मंद, तीव्र, वांछनीय, अवांछनीय, आवर्ती, अनावर्ती, भौतिक, रासायनिक, भारण, शुद्ध वस्तु

विज्ञान पहेलियाँ

– घमण्डीलाल अग्रवाल

(१)
चार हाथ का छोकरा
सात चक्कर खात,
गरम को शीतल करे
छूअत करत अघात।

(२)
चार नरम, चार गरम
चार बालूशाही,
बूझने वाले को सदा
मिली वाहीवाही।

(३)
तीन अक्षर का मेरा नाम
करो शीघ्र पहचान,
आदि कटे तो तेज सभी से
मध्य कटे लूं जान।

(४)
सिर मोटा, तन दुबरा
खाली वाको पेट,
नर-नारी अति चाव से
हाथ करें धरि भेंट।

(५)
एक नार है लोहा खाए,
जिस पर थूके वह मर जाए
बोलो क्या है इसका भेद,
प्रकट न करना कोई खेद।

(६)
जनाबे आली
सिर पा जाली,
पसलियां बहुत हैं
पर पेट खाली।

(७)
एक भुजा धारण किए
बैठी गद्दी डाल,
सब जग वश में कर लियो
नहीं अंग पर खाल।

(८)
बाएं घुमाकर बंद करो
दाएं घुमाकर खोलो,
हैं हम सस्ते पहरेदार
नाम हमारे बोलो।

(९)
एक जगह ही लेटी रहती,
गर्मी, वर्षा, सर्दी सहती।
लेकिन लोग बोलते जाती,
जहां-तहां और लौट हूं आती।

(१०)
तीन अक्षर का मेरा नाम,
करती हूं मैं हिंसक काम।
मध्य कटे तो 'कर' बन जाऊं,
अन्त कटे तो हाथ कटाऊं।

(११)
लाल-लाल है ऐसा घोड़ा
जो है भुसा खाता,
पानी पीते ही दम निकले
पानी से कतराता।

(१२)
इधर को आवे
उधर को जावे,
हर-हर फेर
काट वह खाए।

गुड़गांव (हरियाणा)

उत्तर- बिजली का पंखा, जाड़ा, गरमी-बरसात- गमन, अंगुठी,
बंदूक, मूढ़ा, चक्की, चाबी-ताला, सड़क, कटार, आग, आरी